No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-3

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

01831

सत्रांत परीक्षा

जून, 2010

एम.एच.डी.-3 : उपन्यास एवं कहानियाँ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं। सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

1. 'गोदान' में किसानों की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक वास्तविकता को किस प्रकार रूपायित किया गया है? व्याख्यायित कीजिए। 20

अथवा

'धरती धन न अपना' में चित्रित दलित जीवन की यथार्थता पर टिप्पणी कीजिए।

2. 'मैला आँचल' में अभिव्यक्त राजनीतिक चेतना का विश्लेषण कीजिए। 20

अथवा

'बाणभट्ट की आत्मकथा' की शिल्पगत विशेषताएँ बताइए।

3. 'ठाकुर का कुआँ' में अभिव्यक्त दलित संवेदना का विश्लेषण कीजिए। 20

अथवा

'रोज़' के कथ्य पर विचार कीजिए।

4. 'तिरिछ' कहानी में मौजूद यथार्थ की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

'यह अंत नहीं' में अभिव्यक्त दलित चेतना का मूल्यांकन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 10x2=20

(a) 'गोदान' में दलित जीवन

(b) 'एक दिन का मेहमान' कहानी का प्रतिपाद्य

(c) 'चीफ की दावत' का प्रतिपाद्य

(d) 'कर्मनाशा की हार' में गाँव